



SB-0004

First Year B. A. Examination
March / April – 2011
Hindi Compulsory

Time : 3 Hours]

[Total Marks : 70

सूचना :

नीचे दशांश देव निशानीवाणी विगतो उत्तरवडी पर अवश्य लपवी. Fillup strictly the details of signs on your answer book.	Seat No. :
Name of the Examination :	<input type="text"/>
<input type="text" value="F. Y. B. A."/>	<input type="text"/>
Name of the Subject :	<input type="text"/>
<input type="text" value="Hindi Compulsory"/>	<input type="text"/>
Subject Code No. : <input type="text" value="0"/> <input type="text" value="0"/> <input type="text" value="0"/> <input type="text" value="4"/>	Section No. (1, 2,.....): <input type="text" value="Nil"/>
Student's Signature	

१ 'शबरी' खण्डकाव्य के आधार पर मतंग ऋषि की महानता का सोदाहरण १० परिचय दीजिए।

अथवा

१ "मनुष्य में दृढ संकल्प एवं संघर्ष करने की भावना हो तो वह कठिन से कठिन कार्य को भी आसान बना सकता है।" – 'शबरी' खण्डकाव्य के आधार पर इस कथन की चर्चा कीजिए।

२ (अ) टिप्पणी लिखिए : ५

(१) 'शबरी' शीर्षक की सार्थकता

अथवा

(१) 'शबरी' में प्रकृतिचित्रण

(ब) ससंदर्भ व्याख्या लिखिए : ५

"पर समाज तो सभी युगों

में ऐसा ही होता है,

अच्छे जन के ही मारग में

यह कण्टक बोता है।"

अथवा

SB-0004]

1

[Contd...

‘‘मिथ्या प्रवाह यह कैसा
फैलाया अज्ञानों ने
है क्या मतंग के जैसा
चौदह समस्त भुवनों में?’’

- ३ निम्नांकित पंक्ति का पल्लवन कीजिए : १०
‘श्रम ही पूजा है।’

अथवा

‘समय ही धन है’

- ४ प्रस्तुत परिच्छेद का हिन्दी में अनुवाद कीजिए : १०

आधुनिक शासन पद्धतिओमां लोकशाहीधी यडियाती अन्य कोई पद्धति नथी. कारण के तेमां प्रजाने अे अधिकार मणे छे के ते पोताना प्रतिनिधिओने यूटीने विधानसभा अने संसदमां भोकले छे. आवी सीधी यूटशीओमां अेवी ज व्यक्तिने यूटी काढवामां आवे छे, जेनुं जडेरजवन सारुं डोय अने जे प्रजानी सेवा करतो डोय. आ प्रणालीमां जनताने अे डकक मणे छे के, जो कोई दण अथवा व्यक्तिना कार्योधी संतोष न डोय तो बीजवार अे दण अथवा व्यक्तिने पोतानो मत न आपे. यूटशीमां विरोधपक्षना पण केटलांक लोको यूटाय छे, जेओ पोतानी आलोचनाधी शासकना स्वेच्छायार पर नियंत्रण राभे छे.

- ५ निम्नांकित परिच्छेद का उचित शीर्षक देकर संक्षेपण कीजिए : १०

हमारे देश की यह सांस्कृतिक एकता न तो कहीं बाहर से आई है और न किसीने इसको हमारे ऊपर लादा है, यह तो हमारे अन्दर से खुद ही पैदा हुई है। हमारे देश की मिट्टी ने इसका पोषण किया है। यहाँ की कुदरत ने इसे खिलाया है, यहाँ की भाषाओं ने इसे लोरियाँ सुनाई हैं, यहाँ के इतिहास ने इसे पाला है, यहाँ के संतो ने इसे सँवारा और सुधारा है, यहाँ के धर्मों ने इसको सहनशीलता का पाठ पढ़ाया है। यहाँ के तीर्थ-त्यौहारों ने

इसको बल दिया है। यहाँ के रीति-रिवाजों ने इसको जोड़ने का काम किया है, यहाँ के लोक-साहित्य ने इसमें समानता पैदा की है। यहाँ की जनगण की भावनाओं ने इसको एकरूपता प्रदान की है। यहीं कारण है कि आज से हजारों साल पहिले हमारे पुरखोंने सांस्कृतिक एकता के जिस पौधे को लगाया था उसको यहाँ की जनता ने न केवल सँभाल कर रखा है, वरन् हर नई पीढ़ी ने अपने खून पसीने से इसको सींचा है और हजारों पीढ़ियों की कोशिशों ने इसको आज इतना बड़ा रूप दे दिया है कि आनेवाली पीढ़ियाँ हजारों साल तक बेखटके इसके साये में आगे बढ़ सकती हैं। हमारे लिए यह एक ऐसी वसीयत है जिस पर किसी भी देश या जाति को गर्व हो सकता है।

६ पत्र लिखिए :

१०

‘योगासन’ का महत्व बताते हुए योगासन क्लास में शामिल होने की सूचना देते हुए सहेली सुलभा को पत्र लिखिए।

अथवा

६ छात्रालय में रहकर पढ़ाई करनेवाले पुत्र को जन्मदिन की बधाई देते हुए पिता शंकरभाई की ओर से बेटे अरुण को पत्र लिखिए।

७ सूचनानुसार लिखिए :

(१) किन्हीं दो के विलोम शब्द लिखिए :

२

(१) अमृत

(२) स्वतंत्र

(३) स्वार्थ

(२) किन्हीं दो समश्रुत शब्द के अर्थ लिखिए :

२

(१) शूर-सूर

(२) निधन-निर्धन

(३) प्रासाद-प्रसाद

- (३) किन्हीं दो शब्द के दो पर्यायवाची शब्द लिखिए : २
- (१) आँख
(२) मानव
(३) रात्रि
- (४) किन्हीं दो मुहावरों के अर्थ लिखिए : २
- (१) पेट में चूहे कूदना।
(२) रास्ते पर आना।
(३) गागर में सागर भरना।
- (५) किन्हीं दो शब्दों को शुद्ध कर फिर से लिखिए : २
- (१) राष्ट्रीय
(२) असर्मथ
(३) उज्वल